contract in the year 1961-62 and whether the work was completed within the stipulated time;

(b) what proportional difference has been found between the work done by the Samaj and by other contractors; and

(c) whether such contracts have been given to any other voluntary organisation besides the Bharat Sevak Samaj during the above period. If so, to which organisation?]

निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख) भारत सेवक समाज को १९ ठेके दिये गये, जिन का कुल जोड़ लगभग ५८ लाख रुपये था । उन में से एक नियत समय में पूरा हो गया, कुछ में विलम्ब हो गया और कुछ अन्य अभी चल रहे हैं । समाज के काम के अन्य ठेकेदारों के काम से तुलना कर पाना सम्भव नहीं है । मोटे तौर पर कोई अन्तर दृष्टिगोचर नहीं हुआ ।

(ग) हां ; (१) हिन्दुस्तान को-ओपरेटिव लेबर ऐंड कंस्ट्रक्शन सोसाइटी, (२) राज श्रमिक को-आपरेटिव सोसाइटी, (३) बापू को-ओपरेटिव लेबर ऐंड कंस्ट्रक्शन सोसाइटी, (४) राइजिंग हरिजन लेबर को-आपरेटिव सोसाइटी, और (५) नवजुग लेबर कंस्ट्रक्शन सोसाइटी लिमिटेड को भी ऐसे ही ठेके दिये गये ।

t[THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI MEM CHAND KHANNA) : (a) and (b) Nineteen contracts aggregating to a total of Rs, 58 lakhs approximately were awarded to the Samaj. Of them one was completed in the stipulated time, some were delayed and some others are still in progress, it is not possible to compare the performance with that of other contractors. By and large, no difference was noticed.

(c) Yes; (i) Hindustan Cooperative Labour and Construction Society, (ii) Raj Shramik Co-operative Society, (hi) Bapu Co-operative Labour and Construction Society, (iv) Rising Harijan Labour Co-operative Society and (v) Navjug Labour Construction Society, Ltd. were also awarded similar contracts.]

दिल्ली में हथकरघा उद्योग के विकास के लिये योजनायें

२५४. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली प्रशासन ने हथकरघा उद्योग के विकास के लिए चालू पंचवर्षीय योजना के अधीन हाल में कोई योजनायें बनाई हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनकी विशेषतायें क्या हैं ?

t [SCHEMES FOR DEVELOPMENT OF HAND-LOOM INDUSTRY IN DELHI

254. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the Delhi Administration have recently formulated any schemes for the development of Hand-loom Industry under the current Five Year Plan; and

(b) if so, what are their salient features?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह): (क) जी, हां ।

(ख) प्रशासन का विचार निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं को चलाने का है :—

(१) बुनकरों के लिये कार्यकारी पूंजी ऋण तथा हिस्सा पूंजी ऋण ।

(२) ग्रामीण बुनकरों के लिये वर्कशेड ।

t[ ] English translation.

(३) रंगाई घर की बस्तियां ।

(४) रहने की बस्तियां ।

(५) सुधरे उपकरणों का संभरण ।

(६) हथकरघे के कपड़े की बिक्री पर छूट देने की योजना ।

(७) बिक्री बढ़ाने वाले कार्य (नमूनों का खरीदना, प्रचार करना तथा पुरस्कार देना) ।

f[THE MINISTER OF INTERNATIONAL TRADE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) Yes, Sir.

(b) The principal schemes proposed to be taken up by the Administration are indicated below: —

(i) Working capital loans and share capital loans for weavers.

(ii) Worksheds for rural weavers.

(iii) Dye house.

(iv) Housing colonies.

(v) Supply of improved appliances.

(vi) Rebate scheme on sales of handloom cloth.

(vii) Sales promotion activities (purchase of samples, publicity and propaganda and award of prizes).]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय की विशेष पुनर्गठन टुकड़ी द्वारा दिये गये सुझाव

२५५. श्री भागवत नारायण भार्गव: क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री अपने मंत्रालय की १९६१-६२ की हिन्दी की संक्षिप्त रिपोर्ट के पृष्ठ २० के अन्तिम पैरा को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेष पुनर्गठन टुकड़ी ने (१) कर्मचारियों की संख्या को कम करने तथा (२) विभाग की भिन्न भिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली में कतिपय परिवर्तन करने के सम्बन्ध में क्या क्या सुझाव दिये; और

(ख) उनमें से कौन-कौन से सुझाव स्वीकार/अस्वीकार किये गये हैं ?

[ ] English trantlation.

t[SUGGESTIONS MADEBYTHE EORGANISATION UNIT OF I & BMINISTRY

255. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to refer lo the last paragraph on page 20 of the Hindi version of the Summary Report of his Ministry for the year 1931-62 and state:

(a) what suggestions were made by the Special Reorganisation Unit with regard to, (i) the reduction in the number of staff and (ii) making certain changes in the functioning of the various wings of the Department; and

(b) which of those suggestions have been accepted/rejected?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० गोपाला रेड्डी): (क) और (ख) विशेष पुनर्गठन टुकड़ी ने प्रकाशन विभाग में १५ राजपत्रित और ३४ अराजपत्रित पदों को कम करने का सुझाव दिया । १० राजपत्रित और २६ अराजपत्रित पदों के बारे में यह सिफारिशें स्वीकार करने का निर्णय किया गया है ।

इस टुकड़ी ने विभाग की भिन्न भिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली सम्बन्धी १८ सुझाव दिये । इनमें से १० सुझाव स्वीकार कर लिये गये हैं, ६ विचाराधीन हैं और २ सुझावों पर विशेष पुनर्गठन टुकड़ी स्वयं फिर से जांच पड़ताल कर रही है क्योंकि वे भारत सरकार के संलग्न कार्यालयों में स्टाफ रखने